हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

तापमान
अधिकतम 41.5 डिग्री
न्यूनतम 28 .0डिग्री

11 धारूहेड़ा में बनेगा भव्य गुरुद्वारा, भूमि पूजन व कार सेवा समारोह आज

12 महिला उत्पीड़न से प्रभावित महिलाओं को त्वरित एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराए अधिकारी

सड़क पर चौपहिया वाहनों का जमावड़ा होने के कारण व्यवस्था बिगड़ रही

पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से 25 दिन पहले शुरू किया था कार्य, एक तरफा यातायात से लग रहा जाम

अंबेडकर चौक से धारूहेड़ा चुंगी तक सीसी रोड अंतिम चरण में, लोगों ने तैयार सड़क को बनाया पार्किंग स्थल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के सरकुलर रोड पर अंबेडकर चौक से धारूहेड़ा चुंगी तक के सीसी रोड बनाने का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। करीब एक सप्ताह में मार्ग पर यातायात सुचारू हो जाएगा। वर्तमान में अंबेडकर चौक से पंजाबी धर्मशाला के मोड तक सड़क का कार्य पूरा हो चुका है। सड़क निर्माण कार्य के चलते करीब 25 दिन से एक तरफा यातायात चलने से जाम की स्थिति पैदा हो रही है, जिससे वाहन चालकों व आसपास के दुकानदारों को परेशानी भी उठानी पड़ रही है। वही अंबेडकर चौक से लियो चौक के बीच लोगों ने तैयार सड़क को पार्किंग स्थल बना लिया है, जिससे वाहन चालकों को निकलने में परेशानी उठानी पड़ रही है। हालांकि व्यवस्था के लिए निर्माणाधीन मार्ग के दोनों तरफ ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई हुई है, लेकिन सड़क पर चौपहियां वाहनों का जमावड़ा होने के कारण व्यवस्था बिगड़ रही है।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर चल रहा सड़क निर्माण कार्य। फोटो : हरिभूमि

ढाई करोड़ की लागत से बन रहा सीसी रोड

हरिभूमि सरोकार

पीडब्ल्यूडी बी एंड आर विभाग की ओर से अंबेडकर चौक से धारूहेड़ा चुंगी तक 2.50 करोड़ की लागत से बनाए जा रहे एक तरफा सीसी रोड बनाने के लिए एक जून को खुदाई का कार्य शुरू किया गया था, जिसके एक सप्ताह बाद सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। तोड़ी गई सड़क पर निर्माण कार्य में अव्यवस्था से बचने के लिए मलबा भी धीरे-धीरे उठाया गया, ताकि निर्माणाधीन सड़क के बीच में वाहन प्रवेश न कर सकें। विभाग की ओर से पंजाबी धर्मशाला के मोड से धारूहेड़ा चुंगी तक तथा बावल चौक से अंबेडकर चौक तक के सीसी रोड का कार्य मार्च माह के पहले सप्ताह में पूरा कर लिया गया था, जिसके बाद करीब तीन माह से बाकी का कार्य बंद पड़ा हुआ था। इस मार्ग की एक तरफा लेन तथा डिवाइडर बनाने का कार्य एक साल पहले ही पूरा किया जा चुका है।

जनवरी के लास्ट वीक में शुरू हुआ था कार्य

लोक निर्माण विभाग की ओर से 29 जनवरी को सरकुलर रोड की सड़क का नवनिर्माण कार्य शुरू किया गया था। सबसे पहले पंजाबी धर्मशाला के मोड से धारूहेड़ा चुंगी तक के बचे हुए टुकड़े का निर्माण किया गया। इसके बाद बावल चौक से अंबेडकर चौक तक का सड़क निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। अब अंबेडकर चौक से लियो चौक होते हुए धारूहेड़ा चुंगी तक सीसी रोड बनाने का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है।

जल्द ही मार्ग को खोल दिया जाएगा

अंबेडकर चौक से धारूहेड़ा चुंगी तक के सीसी रोड बनाने के लिए कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। जल्द ही मार्ग को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। सीसी रोड तैयार होने के बाद लोगों को सफर सुगम होगा।
-सत्येंद्र कुमार, एक्सईएन, पीडब्ल्यूडी।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर एक तरफा ट्रैफिक के कारण लगा जाम। फोटो : हरिभूमि

चालक वैकल्पिक मार्ग का सहारा ले रहे

सरकुलर रोड पर अंबेडकर चौक से धारूहेड़ा चुंगी तक सड़क निर्माण के चलते करीब 25 दिन से एक तरफा यातायात चल रहा है। इस मार्ग पर निजी प्रतिष्ठानों ने सड़क को ही पार्किंग स्थल बनाया हुआ है। खास कर निजी अस्पतालों व मॉल के आगे सड़क पर वाहनों के खड़े किए जाने से व्यवस्था बिगड़ी हुई है। सड़क निर्माण के चलते काफी वाहन चालक वैकल्पिक मार्ग का सहारा ले रहे है। शनिवार तक सड़क का 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और निजी प्रतिष्ठानों ने तैयार हो चुकी सड़क को ही पूरी तरह कब्जे में ले लिया है, जिससे अन्य वाहन चालकों की परेशानी बढ़ रही है।

पति सहित तीन ससुरालीजनों पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज

कोसली। गांव भूरियावास की विवाहिता ने महेंद्रगढ़ जिले के कपूरी गांव निवासी अपने पति सहित तीन ससुरालीजनों पर दहेज प्रताड़ना, गाली गलौज, अभद्रता मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कोसली थाने में केस दर्ज कराया है। विवाहिता प्रियंका ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 28 माह पहले रविप्रकाश से हुई थी। शादी में उसके पिता ने अपनी हैसियत से ज्यादा दान दहेज दिया था, लेकिन कुछ समय बाद ही उसके पति रविप्रकाश, सास सुमन व ससुर कृष्ण कुमार ने गाड़ी की मांग व दहेज में दिए सामान को खराब किस्म का बताकर परेशान करना शुरू कर दिया तथा दोबारा सामान की मांग करने लगे। उसके अपने पिता के घर से सामान मंगवाने से इंकार करने पर पति, सास ने उसके साथ गाली गलौज व मारपीट करना शुरू कर दिया। दो माह पहले उसके पति ने मायके आकर उसके पिता की गैरमौजूदगी में उसके साथ मारपीट की तथा चिल्लाने पर उसे जान से मारने की धमकी देकर छोड़कर भाग गया। इसके बाद उसने कोसली थाने में शिकायत दी। पुलिस ने विवाहिता की मिडिएशन सैल से काउंसलिंग कराने के बाद शुक्रवार को आरोपियों के केस दर्ज कर लिया है।

चेक बाउंस के मामले में फरार पीओ गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस की ओर से जिले में उद्घघोषित अपराधी व बेल जंपर के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के पीओ स्टाफ ने अदालत की ओर से उद्घघोषित अपराधी जसवीर निवासी गांव मीरपुर को गिरफ्तार किया है। एसआई लाल चंद ने बताया कि आरोपी जसवीर काफी दिनों से चेक बाउंस के एक मामले में अदालत में पेश नहीं हो रहा था। इसके बाद अदालत ने उसे पीओ घोषित कर दिया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना मॉडल टाउन में अलग से अभियोग भी दर्ज किया था।

गुड़ियानी में संत कबीर जयंती समारोह आज

कोसली। गांव गुड़ियानी के कबीर आश्रम में 28 जून को आयोजित किए जा रहे सतगुरु कबीर जयंती समारोह में हरियाणा के वन, पर्यावरण, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। कार्यक्रम के कैबिनेट मंत्री रविवार को गुडियानी गांव के संत कबीर आश्रम में पुस्तकालय तथा बहुउद्देशीय दो मंजिला भवन के निर्माण कार्य का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर कबीर आश्रम में सत्संग और भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

रात्रि ठहराव कार्यक्रम बेरली कलां में 30 को

रेवाड़ी। जिला प्रशासन की ओर से 30 जून को गांव बेरली कलां में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सीटीएम जितेंद्र कुमार ने बताया कि डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र मीणा रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक व व्यक्तिगत समस्याओं को सुनकर उनका समाधान किया जाएगा। सीटीएम ने बताया कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान परिवार पहचान पत्र व राशन कार्ड से संबंधित समस्या के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित की जाएगी।

SOMANY EDUCATIONAL INSTITUTIONS
25+ YEARS OF EXCELLENCE IN EDUCATION
* Somany Institute of Technology and Management * Somany College of Pharmacy
ADMISSIONS OPEN
COURSES OFFERED
SITM Courses
• B.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
• M.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
• BBA • BCA • MBA
SCP Courses
• D.Pharma
• B.Pharma
Upto 100% Scholarship
Facilities
• Experienced Faculty
• Modern Infrastructure
• Well Equipped Labs
• Placement Assistance
• Holistic Development
Delhi - Jaipur Highway, NH - 48, Near Rewari City Sector 26
www.somanyncr.in | www.somanycollegeofpharmacy.in
ADMISSION HELPLINE 9541069998 | 01274-261239 | 9034717734 | 7082539268

TATA की पेशकश

Talk to our jewellery expert to know more 1800 2966 677 Buy online at tanishq.co.in or Download our App *Conditions apply, For T&C visit our website. -

नया शोरूम :- तनिष्क शोरूम, एससीओ-40, सेक्टर-1, मॉडल टाउन, बावल रोड, रेवाड़ी, टेली : 70829-95610

मुंबई-दिल्ली नहीं, बल्कि छोटे शहर भी बन रहे हैं निवेश के हब

40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से, पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में दावा : हर महीने 3 अरब डॉलर का निवेश
अगले दशक में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति का हस्तांतरण, भारतीय बाजारों को मिलेगा बड़ा फायदा, निवेशक भी होंगे मालामाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

भारत में निवेश का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अब केवल महानगर ही नहीं, बल्कि टियर-2, टियर-3 और टियर-4 शहर भी निवेश वृद्धि के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। प्राइसवाटरहाउसकूपर्स (पीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में शुरू होने वाले 40 फीसदी से अधिक नए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) छोटे शहरों से आ रहे हैं। मासिक एसआईपी निवेश 3 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो भारतीय शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी उपलब्ध करा रहा है। भारतीय निवेश बाजार में छोटे शहरों की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय बाजारों को खुदरा निवेशकों और हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) दोनों वर्गों की बढ़ती भागीदारी का लाभ मिलेगा। भारत में वर्तमान में हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश आ रहा है। पीडब्ल्यूसी ने इसे प्राइस इंसेंसिटिव इक्विटी फ्लो बताया है, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं। इससे शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी मिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू निवेशकों की बढ़ती ताकत भारतीय बाजार को वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाने में भी मदद कर रही है। देश में डिजिटल क्रांति ने निवेश के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां निवेश की सुविधा मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित थी, वहीं अब मोबाइल ऐप, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल केवाईसी जैसी सुविधाओं ने छोटे शहरों के लोगों को भी बाजार से जोड़ दिया है। यही वजह है कि अब निवेश का नया केंद्र छोटे शहर और कस्बे बनते जा रहे हैं।

क्या कहता है अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार अगले 10 वर्षों में भारत में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होगी। इस वेल्थ ट्रांसफर का बड़ा हिस्सा वित्तीय उत्पादों, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और वेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं की ओर जा सकता है। पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में एचएनआई आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संपत्ति हस्तांतरण भारतीय वित्तीय क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा। नई पीढ़ी पारंपरिक निवेश साधनों की तुलना में शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और अन्य आधुनिक वित्तीय उत्पादों में अधिक रुचि

दिखा रही है। इससे निवेश उद्योग को नई गति मिलने की संभावना है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी रिपोर्ट में निवेश वृद्धि का प्रमुख आधार बताया गया है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और एआई आधारित वित्तीय सेवाओं ने निवेश को आसान और सुलभ बनाया है। यही कारण है कि छोटे शहरों से निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- 40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से।
- हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश।
- अगले 10 वर्षों में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की पीढ़ीगत संपत्ति हस्तांतरण की संभावना।
- 2030 तक भारत में हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ने का अनुमान।
- भारत वैश्विक निवेशकों और भारतीय पूंजी के लिए दोतरफा निवेश गलियारा बन रहा है।

छोटे शहरों से क्यों बढ़ रहा निवेश

- इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच में तेजी
- डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार
- म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती पहुंच
- युवाओं में निवेश के प्रति जागरूकता
- वित्तीय शिक्षा और निवेश अभियानों का असर
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना ताकत

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार भारत का मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़ी एआई इंजीनियरिंग प्रतिभा, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और नवाचार आधारित वित्तीय प्रणाली उसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों से आगे खड़ा करती है। देश में मौजूद विशाल डिजिटल नेटवर्क निवेशकों को कम लागत और कम समय में वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। जीआईएफटी सिटी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय निवेश अवसरों को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह भारत के लिए एक समयबद्ध अवसर है, जो देश को वैश्विक वित्तीय सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

एशिया-प्रशांत में भारत की बढ़त

पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि 2026 से 2030 के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एसेट और वेल्थ मैनेजमेंट बाजार 6.8 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ेगा। यह उत्तर अमेरिका के 6.2 फीसदी और यूरोप के 5.6 फीसदी की तुलना में अधिक है। भारत इस वृद्धि का प्रमुख लाभार्थी बन सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत आर्थिक विकास, युवा आबादी और बढ़ती आय भारत को निवेश के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल कर रही है।

निवेश के उभरते अवसर

म्यूचुअल फंड, पैसिव फंड, शेयर बाजार, वैकल्पिक निवेश, प्राइवेट क्रेडिट, वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं, वैकल्पिक निवेश में बड़ा अवसर

निवेशकों के लिए संकेत

विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे शहरों से बढ़ती निवेश भागीदारी बाजारों को अधिक गहराई और स्थिरता प्रदान करेगी। बढ़ती वित्तीय जागरूकता, डिजिटल पहुंच और लंबी अवधि की निवेश संस्कृति आने वाले वर्षों में भारतीय पूंजी बाजारों की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थिति में दिखाई देगा और घरेलू निवेशक इसकी सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरेंगे।

निवेश विशेषज्ञ अब दे रहे सोने से दूर रहने की सलाह

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ वर्षों में सोने ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और डॉलर पर घटते भरोसे जैसे कारणों से सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। लेकिन अब एक ऐसे निवेश विशेषज्ञ, जिनकी पिछली कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं, निवेशकों को सोने से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। मौजूदा स्तर पर सोना आकर्षक निवेश नहीं रह गया है। उनके अनुसार इक्विटी और डेट मार्केट फिलहाल निवेशकों के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर रहे हैं। नवंबर 2023 में जब निवेशकों का भरोसा सोने पर कमजोर था और बाजार में नकारात्मक माहौल था, तब बुलियन में निवेश की जोरदार पैरवी की थी। बाद में चांदी की कीमतों को लेकर भी उनकी चेतावनी काफी हद तक सही साबित हुई। अब उनका कहना है कि जो परिस्थितियां पहले सोने के पक्ष में थीं, वे काफी हद तक बदल चुकी हैं। इसलिए नए निवेश के लिए सोना उनकी प्राथमिकता नहीं है।

ईटीएफ निवेश ने बढ़ाई कीमतें

हाल की तेजी में केवल केंद्रीय बैंकों की खरीदारी ही नहीं, बल्कि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में आए बड़े निवेश का भी योगदान रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब किसी एसेट में अत्यधिक उत्साह पैदा हो जाता है, तो उसके रिटर्न की संभावनाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

इक्विटी में दिख रहा बेहतर मूल्यांकन

भारतीय शेयर बाजार में 2024 के दौरान वैल्यूएशन काफी महंगे हो गए थे। लेकिन बाद की गिरावट और करेक्शन के बाद अब कई सेक्टर और कंपनियां अधिक उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। उनके अनुसार अगले 3 से 5 वर्षों में इक्विटी बाजार सोने की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है। खासकर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण हो सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास दर, बढ़ता घरेलू निवेश और कॉरपोरेट आय में सुधार की संभावनाएं इक्विटी बाजार के पक्ष में नजर आती हैं। यही वजह है कि कई फंड मैनेजर अब सोने की बजाय शेयर बाजार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बेहतर यील्ड का फायदा

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान समय में डेट मार्केट भी निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर रहा है। ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड के मौजूदा स्तर कई निवेशकों के लिए अच्छा जोखिम-रिटर्न संतुलन पेश कर रहे हैं। डेट निवेश उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है जो नियमित आय, अपेक्षाकृत कम जोखिम और पोर्टफोलियो में स्थिरता चाहते हैं।

10 लाख हों तो क्या करें?

यदि किसी निवेशक के पास 10 लाख रुपये निवेश के लिए उपलब्ध हैं, तो फिलहाल सोने में अतिरिक्त निवेश से बचना बेहतर हो सकता है। इसके बजाय राशि को इक्विटी और डेट निवेश के बीच संतुलित रूप से बांटना अधिक उपयुक्त रणनीति हो सकती है। हालांकि निवेश का अनुपात प्रत्येक व्यक्ति की उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

क्या सोने को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए?

यह समझना जरूरी है कि किसी विशेषज्ञ द्वारा सोने को कम आकर्षक बताने का अर्थ यह नहीं है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो से सोना पूरी तरह हटा दें। वित्तीय योजनाकार आमतौर पर कुल पोर्टफोलियो का 5% से 10% हिस्सा सोने में रखने की सलाह देते हैं ताकि विविधीकरण बना रहे। सोना अब भी भू-राजनीतिक संकट, मुद्रास्फीति और बाजार की अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम कर सकता है। लेकिन वर्तमान मूल्य स्तरों पर असाधारण रिटर्न की उम्मीद करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

क्यों बदल गया सोने का निवेश समीकरण?

पहले वैल्यूएशन आकर्षक था : विशेषज्ञों के अनुसार कुछ साल पहले सोना अपेक्षाकृत कम कीमतों पर उपलब्ध था। उस समय डी-डॉलराइजेशन, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और वैश्विक आर्थिक चिंताओं जैसे कारक सोने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहे थे। हालांकि आज स्थिति अलग है। पिछले वर्षों की तेज बढ़त के बाद सोने की कीमतों में काफी वृद्धि हो चुकी है और निवेशकों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया है। ऐसे माहौल में आगे की तेजी की संभावना सीमित हो सकती है।

नॉर्मल, फिक्स्ड टॉप-अप और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

● छोटी बढ़ोतरी से करोड़ों का बन सकता है अतिरिक्त फंड ● 25 साल में रिटर्न का बड़ा अंतर, आय बढ़ने के साथ एसआईपी बढ़ाना जरूरी ● 10 हजार रुपये की मासिक एसआईपी पर वैरिएबल टॉप-अप से बन सकता है 4.46 करोड़ तक का फंड

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय और आसान तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) माना जाता है। छोटी-छोटी रकम को नियमित रूप से निवेश कर लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में एसआईपीनि वेशकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि केवल एसआईपी शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय के साथ निवेश राशि को बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बढ़ती आय के साथ यदि एसआईपी राशि भी बढ़ाई जाए तो लंबी अवधि में रिटर्न कई गुना बढ़ सकता है। निवेशकों के लिए सामान्य तौर पर तीन प्रकार की एसआईपी रणनीतियां उपलब्ध हैं। इनमें नॉर्मल एसआईपी , फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी शामिल हैं। तीनों का उद्देश्य नियमित निवेश करना है, लेकिन निवेश राशि बढ़ाने के तरीके और अंतिम फंड में काफी अंतर देखने को मिलता है।

क्या है नॉर्मल एसआईपी

नॉर्मल एसआईपी सबसे सामान्य और पारंपरिक निवेश विकल्प है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करता है और पूरी अवधि के दौरान यह राशि समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने 10,000 रुपये मासिक एसआईपी शुरू की है तो अगले वर्ष और उसके बाद भी वह हर महीने 10,000 रुपये ही निवेश करेगा। नॉर्मल एसआईपी उन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है जो निवेश में सरलता चाहते हैं और अपनी मासिक बचत को एक निश्चित सीमा में रखना पसंद करते हैं। हालांकि इसमें एक कमी यह है कि आय बढ़ने के बावजूद निवेश राशि नहीं बढ़ती, जिससे लंबी अवधि में संभावित फंड का आकार सीमित रह सकता है।

नॉर्मल एसआईपी की विशेषताएं

■ हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश ■ निवेश प्रक्रिया सरल और आसान ■ बजट प्रबंधन में सुविधा ■ नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प ■ आय बढ़ने का पूरा लाभ निवेश में नहीं जुड़ता

क्या है फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी उन निवेशकों के लिए बनाई गई है जो अपनी एसआईपी राशि को समय-समय पर बढ़ाना चाहते हैं। इसमें निवेशक हर वर्ष अपनी मासिक एसआईपी में एक निश्चित रकम जोड़ता है। यह बढ़ोतरी पहले से तय होती है और हर साल समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई निवेशक 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और हर साल 1,000 रुपये का टॉप-अप चुनता है, तो अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये, फिर 12,000 रुपये और उसके बाद 13,000 रुपये हो जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह विकल्प उन वेतनभोगी लोगों के लिए अच्छा है जिन्हें हर साल नियमित वेतन वृद्धि मिलती है। इससे आय बढ़ने के साथ निवेश भी बढ़ता रहता है और लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार करने में मदद मिलती है।

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी के फायदे

■ हर साल निवेश राशि में बढ़ोतरी ■ वेतन वृद्धि का लाभ निवेश में शामिल ■ लंबी अवधि में अधिक संपत्ति निर्माण ■ निवेश योजना पहले से तय रहती है ■ वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने में मदद

क्या है वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी सबसे उन्नत और आक्रामक एसआईपी रणनीति मानी जाती है। इसमें निवेशक हर साल अपनी एसआईपी राशि को एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर बढ़ाता है। यह प्रतिशत 5, 10 या 15 फीसदी हो सकता है। मान लीजिए किसी निवेशक ने 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की और 10 फीसदी वार्षिक टॉप-अप चुना। ऐसे में अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये होगी। दूसरे साल यह 12,100 रुपये और तीसरे साल 13,310 रुपये तक पहुंच जाएगी। यानी हर साल बढ़ी हुई राशि पर भी वृद्धि का लाभ मिलता है।

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी बेहतर क्यों

■ प्रतिशत आधारित वृद्धि ■ बढ़ी हुई राशि पर भी कंपाउंडिंग का लाभ ■ लंबी अवधि में सबसे अधिक फंड बनने की संभावना ■ बढ़ती आय वाले युवाओं के लिए उपयुक्त ■ महंगाई के प्रभाव को संतुलित करने में मदद

25 साल में कितना बन सकता है फंड

यदि कोई निवेशक 25 वर्षों तक हर महीने 10,000 रुपये से निवेश शुरू करता है तो तीनों एसआईपी विकल्पों में अंतिम फंड का आकार काफी अलग हो सकता है।

एसआईपी	कुल निवेश	
नॉर्मल	30 लाख रु.	2.27 करोड़ रु.
फिक्स्ड टॉप-अप	66 लाख रु.	3.44 करोड़ रु.
वैरिएबल	1.18 करोड़ रु	4.46 करोड़ रु

निवेशकों के लिए सही विकल्प क्या

सही एसआईपी रणनीति का चुनाव निवेशक की आय, वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम लेने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि किसी व्यक्ति की आय सीमित है और वह निवेश को सरल रखना चाहता है तो नॉर्मल एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकती है। वहीं जिन लोगों की आय हर साल बढ़ती है, उनके लिए फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी अधिक फायदेमंद साबित हो सकती है। दूसरी ओर युवा निवेशक, पेशेवर और तेजी से बढ़ती आय वाले लोग वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा कोष तैयार कर सकते हैं।

अलर्ट सही अवधि का चुनाव बढ़ा सकता है रिटर्न, सुरक्षित होगा भविष्य, ब्याज दर के साथ निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य भी हैं अहम

सही एफडी का चुनाव बढ़ा सकता है आपकी कमाई और बचत

1, 3 या 5 साल... किस फिक्स्ड डिपॉजिट में मिलेगा ज्यादा मुनाफा? ब्याज दर, टैक्स और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रख करें निवेश

समझदारी
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की उठापटक के बीच यदि कोई निवेश विकल्प आज भी सबसे भरोसेमंद माना जाता है तो वह है फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)। पूंजी की सुरक्षा और पहले से तय रिटर्न के कारण एफडी आज भी लाखों निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई है। खासकर नौकरीपेशा, वरिष्ठ नागरिक और जोखिम से बचने वाले निवेशक एफडी को सुरक्षित निवेश मानते हैं। हालांकि एफडी में निवेश करते समय सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि 1 साल, 3 साल या 5 साल में से किस अवधि की एफडी सबसे अधिक लाभ देगी।

इसका जवाब केवल ब्याज दरों में नहीं छिपा है। सही एफडी का चुनाव आपकी वित्तीय जरूरत, निवेश की अवधि, ब्याज दरों के रुझान और टैक्स प्लानिंग पर निर्भर करता है। वर्तमान में विभिन्न सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग अवधि पर अलग ब्याज दरें दे रहे हैं। ऐसे में निवेश करने से पहले इनकी तुलना करना जरूरी हो जाता है।

1 साल की एफडी : कम समय के लिए बेहतर विकल्प

अगर आप अपना पैसा लंबे समय तक लॉक नहीं करना चाहते या निकट भविष्य में पैसों की जरूरत पड़ सकती है, तो 1 साल की एफडी आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इस अवधि की एफडी में निवेशक को यह सुविधा मिलती है कि मैच्योरिटी के बाद वह उस समय की नई ब्याज दरों के अनुसार दोबारा निवेश कर सकता है। यदि भविष्य में ब्याज दरें बढ़ती हैं तो इसका फायदा भी आसानी से उठाया जा सकता है। वर्तमान में स्मॉल फाइनेंस बैंक इस अवधि में सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 साल की एफडी पर 7.25 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं, जबकि इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.10 प्रतिशत की दर ऑफर कर रहा है। निजी बैंकों में यस बैंक 6.65 प्रतिशत, जबकि आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक 6.25 प्रतिशत ब्याज दे रहे हैं। सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.25 प्रतिशत और बैंक ऑफ इंडिया 6.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है।

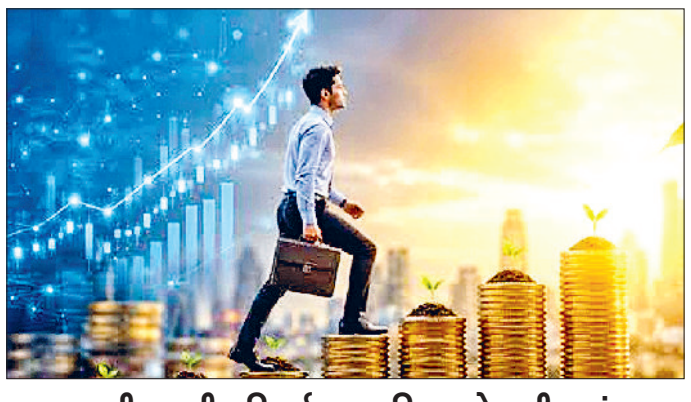

3 साल की एफडी : रिटर्न व अवधि का बेहतरीन संतुलन

जो निवेशक मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और बिना बहुत लंबा इंतजार किए अच्छा रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए 3 साल की एफडी आकर्षक विकल्प मानी जाती है। इस अवधि में कई बैंक 1 साल की तुलना में अधिक ब्याज दे रहे हैं। जन स्मॉल फाइनेंस बैंक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक और शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक 3 साल की एफडी पर 7.50 प्रतिशत तक ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं आईडीएफसी फर्स्ट बैंक 7.35 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। अगर सरकारी योजनाओं की बात करें तो पोस्ट ऑफिस की 3 वर्षीय टाइम डिपॉजिट योजना पर 7.10 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक 6.45 प्रतिशत, जबकि एसबीआई 6.30 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश कर रहा है।

5 साल की एफडी : टैक्स बचत

यदि आपका उद्देश्य लंबी अवधि का निवेश करना है और साथ ही आयकर में बचत भी करनी है तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकती है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत इस एफडी में निवेश करने पर सालाना 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का लाभ लिया जा सकता है। 5 साल की अवधि में भी स्मॉल फाइनेंस बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.90 प्रतिशत, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.77 प्रतिशत और डीसीबी बैंक 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं। बड़े निजी बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक 6.50% और एचडीएफसी बैंक 6.40% ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.05 प्रतिशत, बैंक ऑफ इंडिया 6 प्रतिशत और पंजाब नेशनल बैंक 5.95 प्रतिशत ब्याज दे रहा है।

सीनियर सिटीजन को अतिरिक्त फायदा

लगभग सभी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में 0.25 से 0.75 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज देते हैं। कई बैंक सुपर सीनियर सिटीजन के लिए भी विशेष ब्याज दरें लागू करते हैं। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों को निवेश से पहले बैंक की विशेष एफडी योजनाओं की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

सिर्फ ब्याज दर देखकर फैसला न करें

निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी चुनते समय केवल सबसे अधिक ब्याज दर पर ध्यान देना सही रणनीति नहीं है। बैंक की विश्वसनीयता, जमा राशि की सुरक्षा, समय से पहले निकासी के नियम, ब्याज भुगतान का विकल्प और आपकी वित्तीय जरूरत भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। यदि निवेश की अवधि कम है तो 1 साल की एफडी बेहतर हो सकती है, जबकि मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए 3 साल और टैक्स बचत व लंबी अवधि के लिए 5 साल की एफडी अधिक उपयोगी साबित हो सकती है।

किसके लिए कौन-सी एफडी?

1 साल की एफडी
- कम अवधि का निवेश
- पैसों की जल्द जरूरत होने की संभावना
- ब्याज दर बढ़ने पर दोबारा निवेश का अवसर

3 साल की एफडी
- बेहतर रिटर्न और संतुलित अवधि
- मध्यम अवधि के वित्तीय लक्ष्य
- जोखिम कम, रिटर्न अपेक्षाकृत बेहतर

5 साल की एफडी
- लंबी अवधि का सुरक्षित निवेश
- धारा 80सी के तहत टैक्स बचत
- भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए उपयुक्त

निवेश टिप्स

- निवेश का उद्देश्य और अवधि पहले तय करें।
- विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों की तुलना करें।
- केवल अधिक ब्याज के बजाय बैंक की विश्वसनीयता भी देखें।
- टैक्स बचत चाहिए तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी चुनें।
- वरिष्ठ नागरिक अतिरिक्त ब्याज दर का लाभ अवश्य लें।
- मैच्योरिटी के बाद राशि का पुनर्निवेश करने की योजना पहले से बनाएं।

खबर संक्षेप

जन परिवेदना समिति की बैठक 30 को

नारनौल। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल 30 जून को सायं पांच बजे लघु सचिवालय के नजदीक सभागार में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक लेंगे। इसमें पहले से निर्धारित 11 मामले सुनवाई के लिए रखे जाएंगे जिनका संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर से समाधान किया जाएगा। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग नारनौल का एक, सहायक, खनन अभियंता नारनौल का एक, पंचायती राज नारनौल/खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी महेंद्रगढ़ का एक, दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम के दो आदि मामले सुनवाई के लिए रखे जाएंगे।

कनीना में शादी समारोह से बाइक ले उड़े चोर

कनीना। थाना सदर इलाके में एक शादी समारोह से बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बाइक चोरी का केस दर्ज किया है। इस बारे में मोहनपुर के रहने वाले राधेश्याम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 25 को अपने बेटे नवदीप की बाइक लेकर लक्ष्मी गार्डन इसराना में आयोजित एक शादी समारोह में गया था। गार्डन के बाहर पार्किंग में बाइक को लॉक करके खड़ा किया था। रात करीब 11 बजे वापस जाने के लिए बाहर आया, तो बाइक वहां से गायब मिली, तो पुलिस थाने में शिकायत दी।

मार्केट कमेटी की दूसरी बैठक में कई विकास कार्यों के प्रस्ताव पास

अनाजमंडी में सुधरेगी जर्जर सड़कें व सीवरेज व्यवस्था, रेन वाटर हार्वेस्टिंग भी होगा स्थापित

अधिकारियों को सभी कार्यों की टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। मार्केट कमेटी कार्यालय में विकास कार्यो को लेकर बैठक करते चेयरमैन, सदस्य व अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

नई अनाजमंडी स्थित मार्केट कमेटी कार्यालय में कमेटी की दूसरी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मार्केट कमेटी के चेयरमैन अनिल कुमार सैनी ने की। इस मौके पर वाइस चेयरमैन नवल किशोर गुप्ता, कमेटी सदस्य महेश यादव, रिशु यादव, राज सिंह, सरोज बाला, विष्णु गुप्ता, साधुराम व विजयपाल सहित मार्केट कमेटी सचिव मनीष कुमार, अकाउटेंट अनिल यादव तथा एसडीओ ललित मोहन मौजूद थे। इस मौके पर अनाज मंडी व संबंधित क्षेत्र में किसानों, आढ़तियों व आमजन की सुविधा के लिए विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी। मार्केट कमेटी के चेयरमैन अनिल सैनी ने कहा कि मंजूर किए गए सभी विकास कार्यों को जल्द ही प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया जाएगा ताकि मंडी में आने वाले किसानों व व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराएं। बैठक में जनहित के अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

इस विकास कार्यो को दी गई मंजूरी

सड़क मरम्मत कार्य: अनाज मंडी की जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने को मंजूरी दी गई ताकि बरसात में किसानों को फसल लाने-ले जाने में परेशानी न हो।

सीवरेज व्यवस्था: अनाज मंडी क्षेत्र में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए नई सीवरेज लाइन बिछाने का प्रस्ताव पास किया गया।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग: भूजल स्तर सुधारने के लिए मंडी परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किया जाएगा।

सचिव आवास निर्माण: मार्केट कमेटी परिसर में नया सचिव निवास बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

सब यार्ड भालखी: सब यार्ड भालखी के विस्तार के लिए अतिरिक्त जमीन खरीदने पर सहमति बनी।

बैंक में एफडी: कमेटी की आय को बढ़ाने के लिए राशि को ज्यादा ब्याज दर पर बैंक में एफडी के रूप में निवेश करने का निर्णय लिया गया। इनके अलावा कई मुद्दे रखे गए, जिन्हें सर्वसम्मति से पास किया गया।

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

एआईकेकेएमएस ने की दूषित पानी से समाधान की मांग, राज्य सरकार को लिखा पत्र

रेवाड़ी। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन जिला कमेटी की बैठक शनिवार को संगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार निमोठ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मसानी साहबी बैराज में दूषित व केमिकल युक्त पानी से हो रहे नुकसान पर गहरी चिंता जताई गई। किसान मजदूर नेता शेर सिंह मीरपुर ने कहा कि क्षेत्र के गांव ततारपुर ईस्तमुरार, मीरपुर, मसानी, तीतरपुर, रोझपुर, जीतपुरा व खालियावास सहित अनेकों गांवों के किसानों की जमीन दूषित पानी के कारण बेकार हो चुकी है। इस मौके पर कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि यह दूषित पानी आगामी दिनों में जानलेवा साबित हो सकता है। इस पानी में आर्सेनिक, कोरिनम, बेंजीन व नाइट्रेट्स जैसे केमिकल तत्व है, जिनसे कैंसर बीमारी का खतरा बढ़ गया है। संगठन ने केंद्र व राज्य सरकार को पत्र लिखकर समाधान की मांग की है। उन्होंने दूषित, जहरीले एवं केमिकल युक्त पानी को खत्म करने, औद्योगिक इकाइयों का दूषित पानी रोकने के पुख्ता प्रबंध करने, खेतों में जमा दूषित पानी से जमीन खराब होने का किसानों को मुआवजा देने, मसानी बैराज के दूषित पानी की लैबोरेट्री में उच्च स्तरीय जांच कराने और अभी तक नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे दुष्प्रभाव की स्टडी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि साथ ही यह भी जांच की जाए कि दूषित पानी से भूजल स्तर कितना प्रभावित हुआ है। वही बावल व भिवाड़ी औद्योगिक इकाइयों का दूषित पानी मसानी बैराज में लाने से रोका जाए। बैठक में संगठन के उप प्रधान अमर सिंह राजपुरा, रेवाड़ी ब्लॉक प्रधान करतार सिंह खटावली, जिला कमेटी सदस्य निरंजन सिंह मांढैया, महेन्द्र सिंह चौहान खोल व गजराज सिंह सहित अनेक सदस्य मौजूद थे।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कसा शिकंजा

मंडी अटेली। सड़कों पर बढ़ती लापरवाही और नियमों की अनदेखी पर लगाम लगाने के लिए अटेली में ट्रैफिक पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। इसी कड़ी में जिला ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों नए और पुराने बस स्टैंड पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। कार्रवाई का सबसे अहम मामला उस समय सामने आया जब महाविद्यालय में पढ़ने वाला छात्र बिना नंबर प्लेट की बाइक चलाते हुए पकड़ा गया। बाइक पर नंबर की जगह अलग-अलग स्टीकर लगे हुए थे, जो नियमों के विपरीत हैं। ट्रैफिक पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए 22 हजार 500 रुपये का चालान किया और वाहन को मौके पर ही इंपाउंड कर लिया। जिला ट्रैफिक पुलिस के एएसआई मदन ने बताया कि यह अभियान केवल चालान तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में जागरूकता लाने की दिशा में भी एक प्रयास है।

खेल स्टेडियम में टहलने गए बागोत के सरपंच पर हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

सदर थाना अंतर्गत बागोत गांव के वर्तमान सरपंच पर कुछ लोगों ने हमला कर घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि सरपंच गांव में बने खेल स्टेडियम में टहलने गया था। जिसके दोनों पैरों में चोट आई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुख्य आरोपित सहित 10-12 अन्य अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता सरपंच राजेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह 25 जून सायं करीब सात बजे स्टेडियम के ट्रैक पर घूमने गया था। जहां करीब सवा सात बजे उनके पास दो बोलेरो गाड़ियां आकर रूकी। गाड़ियों से गांव का सोमवीर व 10-12 अज्ञात युवक बाहर निकले। सोमवीर के हाथ में लोहे की रॉड थी और अन्य युवकों के पास डंडे व अन्य हथियार थे। सोमवीर ने सरपंच को ताना मारते हुए कहा कि तेरे को सरपंच बनाता हूं' और सीधा उनके पैरों पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। स्टेडियम में उस समय रणधीर, राजेश, सुंदर, संदीप, विकास व सरजीत उपस्थित थे, जिन्होंने बीच-बचाव किया। हमले में घायल हुए सरपंच राजेंद्र को इलाज के लिए रेवाड़ी के निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। उपचार के दौरान उसके पैरों में अधिक चोट सामने आई। सदर थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह ने बताया कि मारपीट के आरोपितों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस फरार आरोपितों की तलाश कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है।

कोसली क्षेत्र में 28 से 30 जून तक बिजली रहेगी बाधित

कोसली। जखाला पावर हाउस से नई लाइन जोड़ने के कार्य के लिए 28 से 30 जून तक रोजाना प्रातः 8 बजे से 12 तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। एसडीओ रोहित कुमार ने बताया कि कार्य के कारण गुड़ियानी सिटी फीडर क्षेत्र के कोसली गांव, गुड़ियानी मोड़ मार्केट व कान्हड़वास गांव की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। एसडीओ ने उपभोक्ताओं से निर्धारित समय के दौरान अपने आवश्यक कार्य पहले ही निपटाने की अपील की है।

जाट धर्मशाला के अमर शहीद राजा नाहर सिंह मुख्य द्वार का हुआ उद्घाटन

- मुख्य अतिथि ने जाट धर्मशाला में भव्य डिजिटल पुस्तकालय बनवाने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। जाट धर्मशाला के मुख्य द्वार का उद्घाटन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को जाट धर्मशाला के अमर शहीद राजा नाहर सिंह मुख्य द्वार का उद्घाटन किया गया। समाजसेवी निजी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार सांगवान ने मुख्य द्वार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजा नाहर सिंह के बलिदान को याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जाट समाज के प्रधान चौधरी सूरत सिंह कटारिया ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने जाट धर्मशाला भव्य डिजिटल पुस्तकालय बनवाने की घोषणा भी की। समाज के सभी लोगों ने उनका आभार व्यक्त किया। मंच संचालन सचिव हंसराज कोच ने किया। इस इस अवसर पर जाट समाज के उपप्रधान धनपत सिंह बडेसरा, सह सचिव भरत सिंह नंबरदार, कोषाध्यक्ष अजीत सिंह धनखड़, प्रवक्ता रामकिशन महलावत, कार्यकारी सदस्य रणसिंह लोर, सुरजीत पहलवान, राजित रोहड़ाई, हरफूल ठेकेदार व सुरेन्द्र पंवार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

15 अगस्त से पूर्व होंगी जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिताएं

- हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ऑनलाइन बैठक में खिलाड़ियों के हित में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ हरियाणा योग आयोग के सदस्य जयपाल शास्त्री ने किया। बैठक का संचालन महासचिव डा. युद्धवीर एवं कोषाध्यक्ष डा. मदन मानव ने किया। इस अवसर पर हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डा.जयदीप आर्य ने संगठन की उपलब्धियों एवं भावी कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का योग एवं योगासन खेल के विकास के लिए की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं एवं खिलाड़ियों के हित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के सकारात्मक सहयोग से योगासन खेल को नई दिशा एवं नई पहचान मिल रही है। डा. आर्य ने आगामी जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं, जज प्रशिक्षण, खिलाड़ियों के हितों तथा संगठन की भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव डा. युद्धवीर ने योगासन खेल को हरियाणा खेल पॉलिसी में नीतिगत रूप से शामिल कर खेल के संवर्धन के लिए बनाई गई नीति के लिए मुख्यमंत्री व खेल मंत्री गौरव गौतम का आभार जताया। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिताओं का आयोजन 15 अगस्त से पूर्व तथा राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन अक्टूबर में किया जाएगा। बैठक में जानकारी दी गई कि वर्तमान में प्रत्येक आयु वर्ग में केवल 5 प्रतियोगी इवेंट निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विस्तृत एवं अधिकारिक अधिसूचना योगासन भारत की ओर से शीघ्र जारी की जाएगी। खिलाड़ियों के लिए इवेंट्स की संख्या एवं अन्य तकनीकी दिशा-निर्देश भी योगासन भारत की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार लागू होंगे। इस मौके पर कुरुक्षेत्र स्थित गीता ज्ञान ज्योति संस्थान में आयोजित हरियाणा राज्य योगासन जज प्रशिक्षण एवं परीक्षा का परिणाम शीघ्र घोषित किए जाने की जानकारी दी गई। बैठक में खिलाड़ियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए यह निर्धारित किया गया कि यदि किसी खिलाड़ी के माता-पिता के स्थानांतरण अथवा अन्य उचित कारणों से जिला परिवर्तन आवश्यक हो, तो संबंधित दोनों जिलों की संस्तुति एवं हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की स्वीकृति के उपरांत खिलाड़ी अपना जिला परिवर्तित कर सकेगा। राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता के आयोजन के लिए पंचकूला, यमुनानगर एवं पलवल जिलों से प्रस्ताव प्राप्त हुए।

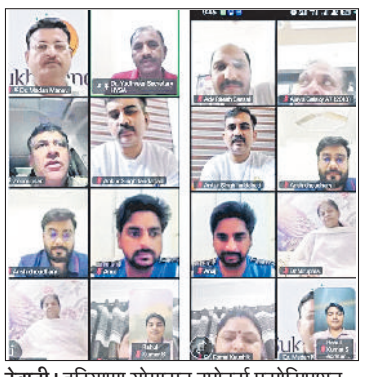

रेवाड़ी। हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ऑनलाइन बैठक में उपस्थित पदाधिकारी।

बैठक में ये मौजूद रहे

बैठक में डा. धर्मदेव विद्यार्थी, हरियाणा योगासन टेक्निकल कमेटी के चेयरमैन ईश्वर सिंह दुहन, कोषाध्यक्ष डा. मदन मानव व उपाध्यक्ष सुनील शर्मा सहित राज्य कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी, सभी जिला इकाइयों के अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत

नारनौल। बीती रात को नांगल सिरोही बाइपास पर अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार देने से बाइक सवार करीब 26 वर्षीय अरविंद वासी गांव कूकसी की मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों के बयान पर आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। करीब 26 वर्षीय अरविंद महेंद्रगढ़ में एक शोरूम पर काम करता था। बीती देर शाम को जब वह महेंद्रगढ़ से वापस गांव कूकसी की तरफ आ रहा था, तब गांव से पहले नांगल सिरोही बाइपास पर बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे अरविंद बुरी तरह से घायल हो गया। उसके सिर में चोट लगी थी। आसपास के लोगों ने डॉयल 112 को फोन पर सूचना दी और एंबुलेंस के जरिए उसे नारनौल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जब परिजनों को सूचना लगी, तब वे रात को ही नारनौल अस्पताल पहुंचे, जहां से चिकित्सकों ने उसे गंभीरावस्था के चलते हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। अरविंद के ताऊ के बेटे सतीश ने बताया कि उसे उपचार के लिए पीजीआई रोहतक लेकर गए, लेकिन वहां संतुष्टि नहीं होने पर परिजन प्राइवेट अस्पताल लेकर गए, जहां उसने दम तोड़ दिया। मृतक दो भाई थे, जबकि उसके पिता लालचंद की करीब छह माह पहले ही मौत हो गई थी। ग्रामीणों ने गमगीन माहौल में गांव कूकसी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

नांगल सिरोही बाइपास पर हुआ हादसा

- पुलिस आमजन से अपील करती है कि अपने वाहनों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

चोरी की पिकअप बरामद, आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। वाहन चोरी के मामलों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना नांगल चौधरी पुलिस ने चोरी की एक पिकअप बोलेरो बरामद कर आरोपित को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थाना नांगल चौधरी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित नरेंद्र निवासी क्यारा जिला अलवर (राजस्थान) को कोटपूतली से गिरफ्तार किया। आरोपित की निशानदेही पर मुकदमे में चोरी हुई पिकअप बोलेरो बरामद कर ली गई। गिरफ्तार आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया तथा मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित का वाहन चोरी की अन्य घटनाओं से भी कोई संबंध है या नहीं। पुलिस आमजन से अपील करती है कि अपने वाहनों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

जिले में पल्स पोलियो अभियान आज से

- 94 हजार 285 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी
- बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर भी पोलियो रोधी दवा पिलाने के टीमें लगाई गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि 28 जून से 30 जून तक पल्स पोलियो अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 28 जून को बूथ एक्टिविटी के तहत तथा 29 व 30 जून को टीमों की ओर से घर-घर जाकर छूट गए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जिले में 682 बूथों पर 0 से 5 वर्ष तक के लगभग 94 हजार 285 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। अति संवेदनशील एरिया जैसे झुग्गी झोपड़ी, ईंट-भट्ठे, निमार्णाधीन भवनों इत्यादि पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए 38 मोबाइल टीम लगाई गई है तथा बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर भी पोलियो रोधी दवा पिलाने के टीमें लगाई गई है।

धारूहेड़ा में बनेगा भव्य गुरुद्वारा, भूमि पूजन व कार सेवा समारोह आज

- कार्यक्रम में राव इंदरपाल व सत्य नारायण जांगड़ा मुख्य रूप से शामिल होकर भूमि पूजन करेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ धारूहेड़ा

कस्बे में जल्द ही भव्य गुरुद्वारे का निर्माण शुरू होने जा रहा है। इसके लिए रविवार 28 जून को कार सेवा, नव निर्माण समारोह एवं भूमि पूजन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में हरियाणा पर्यटन निगम के पूर्व चेयरमैन राव इंदरपाल तथा धारूहेंडा नगर पालिका के नवनिर्वाचित चेयरमैन सत्य नारायण जांगड़ा मुख्य रूप से शामिल होकर भूमि पूजन करेंगे। इस अवसर पर कस्बे के सभी समाज के लोगों को आमंत्रित किया गया है। सिंह सभा गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अनुसार मौजूदा गुरुद्वारा काफी पुराना हो चुका था और बरसात के दिनों में परिसर में पानी भरने की समस्या रहती थी। इसी कारण पुराने ढांचे को समतल कर दिया गया है, ताकि नए गुरुद्वारे का निर्माण बेहतर योजना के साथ किया जा सके। समिति सदस्यों ने बताया कि नए गुरुद्वारे की ड्रॉइंग तैयार हो चुकी है और इसका निर्माण आधुनिक तकनीकों एवं आकर्षक डिजाइन के साथ किया जाएगा। गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

रेवाड़ी। गुरुद्वारे का फाइल फोटो। फोटो :हरिभूमि

वंदे मातरम की 150वीं जयंती पर संगम परिवार की ओर से होंगे कवि-सम्मेलन

नवचयनित पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई

सदस्यों ने संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा नियमित साहित्यिक आयोजनों के संचालन का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद राष्ट्रीय कवि संगम संस्था के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

राष्ट्रीय कवि संगम जिला इकाई की नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक शनिवार को सैंड पाइपर टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार व संस्कृति लेखक सत्यवीर लाहड़िया ने की। इस मौके पर वक्ताओं ने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने, आगामी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा जिले में साहित्यिक गतिविधियों के विस्तार पर चर्चा की। संगम के जिला अध्यक्ष डा. मुकुट अग्रवाल ने बताया कि वंदे मातरम की 150वीं जयंती पर संगम परिवार की ओर से जिले भर में अनेक कवि-सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर अध्यक्ष की ओर से नवचयनित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ भी दिलाई गई। पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा नियमित साहित्यिक आयोजनों के संचालन का संकल्प लिया।

ये मौजूद रहे

बैठक के उपरांत काव्य गोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें महामंत्री अरुण गुप्ता अजेय, उपाध्याय डा. सुधा यादव, डा. कविता गुप्ता, सैनिक शत्रुघ्न, संरक्षक सरोज भारद्वाज, प्रचार-प्रसार सचिव यतिन चारण व मीडिया प्रवक्ता योगेश कौशिक आदि कवियों ने राष्ट्रभक्ति, सामाजिक सरोकार, संस्कृति एवं मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत अपनी रचनाओं का पाठ किया। इस अवसर पर सिटी थाना इंचार्ज सुबे सिंह तथा सतीश भारद्वाज सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे। साहित्यकार सत्यवीर लाहड़िया ने सभी पदाधिकारियों एवं साहित्यकारों का आभार व्यक्त किया।

अधिकारी के साथ साइबर ठगी, खाते से 7 बार में 4 लाख से अधिक की राशि साफ

रेवाड़ी। साइबर ठगों ने एक सरकारी अधिकारी को अपनी ठगी का शिकार बना लिया। जब अधिकारी ने एसी की सर्विस के लिए गूगल पर सर्च किया तो कुछ समय बाद उनके वॉट्सअप नंबर पर एक एपीके फाइल आई। ठग ने उन्हें वॉट्सअप कॉल कर उसे एपीके फाइल खोलने की प्रक्रिया बताई। फाइल में डिटेल भरने के 3 दिन बाद उनके खाते से 4 लाख रुपये से अधिक रुपये साफ हो गए। फोन पर लगातार मैसेज आने के बाद उनको ठगी का पता चला, जिसके बाद उन्होंने शिकायत दी। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। बावल निवासी कमल सिंह ने साइबर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्हें एसी की सर्विस करानी थी, जिसके लिए 15 जून को गूगल पर सर्च किया तो कुछ समय बाद उसके वॉट्सअप नंबर पर एक फाइल आई। इसके बाद उसी नंबर से वॉट्सअप कॉल आई, जिसमें फाइल खोलने की पूरी प्रक्रिया बताई गई। उसी दिन फाइल में अपनी डिटेल भर दी, जिसके बाद 18 जून को पैसे कटने के 7 मैसेज आए।

सरपंच ग्राम पंचायत, बालधन खुर्द
ब्लॉक जाटूसाना जिला रेवाड़ी 123411
निविदा सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बालधन खुर्द द्वारा लोहे व प्लास्टिक के कबाड़ आदि की नीलामी दिनांक 07.07.2026 को प्रातः 10 बजे पंचायत घर में की जाएगी। नियम व शर्तें मौके पर बताई जाएंगी।
हस्ता/- राजकुमार, सरपंच, ग्राम पंचायत बालधन खुर्द
खण्ड जाटूसाना (रेवाड़ी), मो. 9466289958

हरियाणा राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने किया महिला थाने व वन स्टॉप सेंटर में व्यवस्थाओं का निरीक्षण

महिला उत्पीड़न

अधिकारी प्रभावित महिलाओं को त्वरित एवं प्रभावी सहायता कराए उपलब्धः मीना परमार

रेवाड़ी। महिला थाने का निरीक्षण करती मीना परमार तथा महिला थाने में एसएचओ से जानकारी लेती मीना परमार।

■ कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि और समय पर वेतन भुगतान की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने शनिवार को रेवाड़ी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने महिला थाने व वन स्टॉप सेंटर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने महिला थाने में महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली भी मौजूद रही। परमार ने पुलिस अधिकारियों से महिला सुरक्षा, शिकायतों के निस्तारण तथा पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके उपरांत महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने वन स्टाप सेंटर में संचालित सेवाओं और महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अधिकारी महिला उत्पीड़न से प्रभावित महिलाओं को त्वरित एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराए, ताकि उन्हें समय पर न्याय और आवश्यक सहयोग मिल सकें। उन्होंने कहा कि महिला आयोग 24 घंटे सातों दिन पीड़ित महिलाओं के लिए तत्पर रहता है। कोई भी पीड़ित महिला वन स्टॉप सेंटर या महिला हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दे सकती है। उनकी शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई की जाएगी।

वन स्टॉप सेंटर कर्मचारियों ने उठाई मांग

महिला एवं बाल विकास विभाग भारत सरकार के तहत वर्ष 2015 से हरियाणा में संचालित वन स्टॉप सेंटरों में कार्यरत कर्मचारियों ने राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार के समक्ष वेतन वृद्धि और समय पर वेतन भुगतान की मांग को लेकर मांग भी उठाई। कर्मचारियों का कहना है कि विभाग के 8 जनवरी 2020 के आदेश के अनुसार सिक्योरिटी गार्ड, मल्टीपर्पज वर्कर और आईटी प्रोफेशनल सहित कुछ पदों पर कार्यरत कर्मचारियों को डीसी रेट के अनुसार वेतन दिया जा रहा था, लेकिन 26 नवंबर 2021 को जारी नए आदेश के बाद इन पदों का वेतन घटाकर निर्धारित मानदेय कर दिया गया, जबकि अन्य कुछ पदों के वेतन में बढ़ोतरी की गई। कर्मचारियों के अनुसार, वे इस संबंध में 17 दिसंबर 2021 और 9 जून 2025 को विभाग को ज्ञापन दे चुके हैं। इसके अलावा 6 जनवरी 2026 को राज्य महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष रेनू भाटिया को भी मांग पत्र सौंपा गया था। बावजूद इसके अब तक उनकी मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कर्मचारियों ने बताया कि वर्तमान महंगाई के दौर में कम वेतन में परिवार का पालन-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है। उनका आरोप है कि उन्हें वेतन भी नियमित रूप से नहीं मिलता और दो से तीन महीने के अंतराल के बाद भुगतान किया जाता है। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत करने पर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है तथा नौकरी से निकालने और अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी दी जाती है।

होनहार युवाओं को किया सम्मानित

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष परमार ने अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह में हरियाणा के पर्यावरण वन जलवायु परिवर्तन आयोग के चेयरमैन उमेश भाटी भी मौजूद थे। इस अवसर आयोग की उपाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और उत्थान के लिए कार्य कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में निरंतर कदम उठाए जा रहे है। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार विद्यार्थियों एवं युवाओं को सम्मानित भी किया गया। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान समाज को नई दिशा देता है तथा युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव, महिला थाना प्रभारी सरिता, वन स्टॉप सेंटर संचालिका ललिता कालड़ा व सदस्य नीतू चौधरी सहित अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

न्यूज डायरी

डीएसपी ने जाटूसाना थाने में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

कोसली। जिला पुलिस की ओर से थाना स्तर पर शिकायत निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे है। शनिवार को थाना जाटूसाना में डीएसपी कोसली विद्यानन्द की अध्यक्षता में शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें एवं लंबित मामलों से संबंधित समस्याएं रखीं। डीएसपी विद्यानंद ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए थाना प्रभारी व संबंधित जांच अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा पात्र मामलों का मौके पर ही समाधान कराया। वहीं जिन मामलों में विस्तृत जांच अपेक्षित थी, उनमें समयबद्ध एवं निष्पक्ष कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। शिविर में विशेष रूप से भूमि विवाद, एससीडीटी, पारिवारिक विवाद, लंबित आपराधिक मामलों, पुलिस जांच की प्रगति तथा अन्य जन शिकायतों की सुनवाई की गई।

रेलवे स्टेशन के पार्किंग से बाहर वाहन खड़ा करने पर कटेंगे चालानः स्टेशन अधीक्षक

कोसली। कोसली रेलवे स्टेशन पर रेल विभाग की ओर से वाहनों की पार्किंग व्यवस्था शुरू कर दी गई है। स्टेशन पर अपने निजी वाहन लेकर आने वाले नागरिकों को इस सुविधा का लाभ उठाना चाहिए। कोसली रेलवे स्टेशन के अधीक्षक मोहन श्याम यादव ने बताया कि अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण के बाद से स्टेशन की साफ-सफाई व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इसके साथ ही रेलवे परिसर में वाहनों की पार्किंग व्यवस्था शुरू कर दी गई है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध है कि अपने वाहन पार्किंग एरिया में ही खड़ा करें। उन्होंने कहा कि आमतौर पर देखा जाता है कि लोग कार या मोटरसाइकिल को इधर-उधर खड़ा करके चले जाते है, जिससे व्यवस्था बिगड़ती है। उन्होंने कहा कि पार्किंग एरिये से बाहर वाहन खड़े करने पर चालान काटे जाएंगे। स्टेशन अधीक्षक ने कहा कि रेलवे विभाग का प्रयास है कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए।

गर्भवती महिलाओं की हुई गोद भराई स्वस्थ रहने का दिया संदेश

कोसली। क्षेत्र के गांव ऊष्मापुर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गर्भवती महिलाओं के सम्मान में गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म निभाई गई तथा उन्हें स्वस्थ मातृत्व व सुरक्षित प्रसव के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर विभाग की सुपरवाइजर उपदेश यादव ने कहा कि गर्भवती महिलाओं के लिए गर्भावस्था के दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच व सकारात्मक वातावरण, मां और गर्भ में पल रहे शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने महिलाओं को आयरन, कैल्शियम एवं अन्य पोषक तत्वों से भरपूर भोजन लेने की सलाह देते हुए कहा कि इससे जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ रहते हैं। इस अवसर पर आंगनबाड़ी यूनियन की उपाध्यक्ष संतरा देवी, सुनीता , सुनीता देवी, प्रेमलता व ममता सहित अनेक महिलाओं ने गर्भवती महिलाओं को आशीर्वाद दिया।

एमपीएचई एसोसिएशन ने रोष प्रदर्शन को लेकर कसी कमर, जन संपर्क हुआ तेज

रेवाड़ी। आगामी 5 जुलाई के प्रस्तावित स्वास्थ्य मंत्री के रामपुरा हाउस के घेराव व रोष प्रदर्शन को लेकर एमपीएचई एसोसिएशन ने पूरी तरह कमर कस ली है। एसोसिएशन ने प्रदर्शन में ज्यादा से ज्यादा संख्या बढ़ाने के लिए जिले के स्वास्थ्य कर्मियों से जन सम्पर्क तेज कर दिया है। शनिवार को ट्रामा सेंटर में सभी सीएचसी, पीएचसी व स्वास्थ्य केंद्रों से एमपीएचई वर्ग की बैठक आयोजित की गई और जायज मांगों के लागू न होने से रोष प्रदर्शन की रूपरेखा तैयार की गई। इस मौके पर एसोसिएशन के प्रधान दिनेश यादव ने एमपीएचई वर्ग के सभी कर्मचारियों को प्रदर्शन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होकर अपनी आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। मंच संचालन सचिव जितेंद्र ने किया। इस मौके पर राज्य एमपीएचई एसोसिएशन से सुखविंदर सिंह, अशोक देसवाल व एमपीएचई एसोसिएशन के पूर्व जिला प्रधान बीरेंद्र सिंह सहित सभी ब्लॉकों से पदाधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

बच्चों को बचपन से ही पूजा-पाठ, भारतीय संस्कृति और नैतिक संस्कारों से जोड़ेंः सुनीता

रेवाड़ी। भारत रक्षा मंच के 17वें स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को गांव बीकानेर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत रक्षा मंच हरियाणा महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता गुड़ियानी ने शिरकत की। इस अवसर पर भारत रक्षा मंच के जिला अध्यक्ष प्रताप व किरण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जय प्रकाश आर्य पूर्व प्रधान आर्य समाज बीकानेर, धनीराम मेहरा जिला पार्षद तथा दयाराम आर्य जिला प्रभारी पतंजलि समिति थे। मुख्य अतिथि सुनीता गुडियानी ने कहा कि मातृशक्ति ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को बचपन से ही पूजा-पाठ, भारतीय संस्कृति और नैतिक संस्कारों से जोड़ें, ताकि आने वाली पीढ़ी राष्ट्र एवं धर्म के प्रति समर्पित बन सकें। इस मौके पर भारत रक्षा मंच के जिला मीडिया प्रमुख राममेहर यादव, अनीता देवी, रामरतन, कमलेश, विमला देवी, रेनू, करुणा, सविता, शालू, विमला, अनीता रानी, हेमंत कुमार, ओमप्रकाश, विनोद कुमार, धर्मेंद्र, धरम सिंह, प्रवीण, रतन सिंह, रेखा, सुशीला, सुमित्रा तथा प्रदेश कार्यालय प्रमुख रमेश आदि मौजूद रहे।

बदमाशों ने लिफ्ट देकर तीन लोगों को लूटा

■ नकदी व सामान लेकर फरार, ऑनलाइन टांसफर भी करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

कार सवार बदमाशों ने अलग-अलग स्थानों पर गाड़ी में बंधक बनाकर 3 लोगों के साथ लूट कर ली। युवकों ने कंपनी के सहायक प्रोडेक्शन मैनेजर को बावल से लिफ्ट देकर गाड़ी में बंधक बनाकर लूट कर ली। बदमाश मैनेजर को करीब 2 घंटे घुमाकर बालावास नहर के पास उतारकर फरार हो गए। दूसरे मामले में एक इलेक्ट्रिशिन जबरदस्ती गाड़ी में डालकर आधा घंटा बंधक बनाकर रखा तथा लूट व मारपीट करके फरार हो गए। बदमाशों ने कार में सवार एक अन्य यात्री को भी शिकार बनाया। कसोला और धारूहेड़ा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान के कोटपुतली के गांव दहमी निवासी सोनू कुमार ने कसोला थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बावल की एक कंपनी में सहायक प्रोडेक्शन मैनेजर के पद पर कार्यरत है। 23 जून को कंपनी के काम से खरखौदा गया था। बावल के बनीपुर चौक से घर जाने के लिए रात करीब 8 बजे स्विफ्ट कार में बैठ गया, जिसमें पहले से 3 लोग सवार थे। उसके बैठने के बाद गाड़ी को लॉक कर दिया गया। तभी आगे ड्राइवर के पास बैठा व्यक्ति पीछे आ गया और सामान देने की धमी दी। उसने डरकर अपना पर्स दे दिया, जिसमें 600 रुपये, एटीएम, क्रेडिट कार्ड, डीएल और कंपनी के दस्तावेज थे। बदमाशों ने उसके फोन से खाते में पड़े 6 हजार 999 रुपये भी ट्रांसफर करा लिए। वही बदमाशों ने खेड़ा बॉर्डर फ्लाइओवर के पास उसके परिचित से 20 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। आरोपियों ने उसका कंपनी का लैपटॉप सहित पूरा सामान ले लिया।

रेवाड़ी-मानेसर के बीच दो लोगों से लूट

हिसार के बूढ़ाखेड़ा उकलाना निवासी संजय ने धारूहेड़ा थाना पुलिस को शिकायत में बताया कि वह बिजली मैकेनिक है और मानेसर में ठेकेदार के पास काम करता है। 23 जून की रात वह मानसेर जाने के लिए 7 बजे घर से निकला। रेलवे स्टेशन से ऑटो पकड़कर रात करीब 1:30 बजे धारूहेड़ा फ्लाइओवर के पास पहुंचा तो वहा पहले से एक व्यक्ति खड़ा था। इसी दौरान एक स्विफ्ट कार वहां आकर रुकी। वहां खड़ा व्यक्ति उसमें सवार हो गया। कार सवार ने उसे मानेसर जाने के लिए पूछा। जब तक वह कुछ समझ पाता, तब तक अंदर बैठे यात्री ने खींचकर एसे कार में डाल दिया, जिसके बाद उसका सारा सामान देने मांगा। उसके मना करने पर उन्होंने मारपीट शुरू कर दी तथा उसके 3 हजार रुपये और मोबाइल छीन लिया।

पुलिस व स्वैत टीम ने बाहरी लोगों की पहचान के लिए चलाया सर्च अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धारूहेड़ा

शनिवार को जिला पुलिस व स्वैत टीम ने मिलकर थाना धारूहेड़ा व सेक्टर-6 धारूहेड़ा क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए सर्च अभियान चलाया। अभियान के तहत टीम ने क्षेत्र में झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य स्थानों पर संदिग्ध लोगों की जांच की। पुलिस टीम ने बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्रों व वाहनों के कागजातों की भी जांच की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। पुलिस जिले की सुरक्षा को लेकर बाहरी लोगों की पहचान के लिए विशेष अभियान चला रही है और आगे भी इस तरह का अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने सभी थाना प्रबंधकों को अपने-अपने क्षेत्र में सरकार की ओर से जारी आदेशों के अनुसार अप्रवासी रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर उनको वापस भेजने की प्रक्रिया अमल में लाने के निर्देश दिए।

सुख-शांति आत्मिक उन्नति तथा मुक्ति-मोक्ष का मार्ग बताएंगे

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर कसोला चौक आश्रम में उमाकांत महाराज देंगे उपदेश

■ श्रद्धा-भाव से पुकारने पर प्रभु सुनता है, बोलता है और अपने भक्त को दर्शन भी देता रहता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

बाबा उमाकांत महाराज अपने मुख्य आश्रम उज्जैन से हिमाचल, जम्मू, पंजाब सहित विभिन्न राज्यों में सत्संग करते हुए ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर रेवाड़ी पहुंच रहे हैं। जिले में महाराज मानव जीवन के उद्देश्य, सुख-शांति, आत्मिक उन्नति तथा मुक्ति-मोक्ष का मार्ग बताएंगे। कार्यक्रम 29 जून को प्रातः 9 बजे से बाबा उमाकांत महाराज आश्रम जयगुरुदेव नगर कसोला चौक पर आयोजित किया जाएगा। समाज सुधारक बाबा उमाकांत कहते है कि श्रद्धा-भाव से पुकारने पर प्रभु सुनता है, बोलता है और अपने भक्त को दर्शन भी देता रहता है। आज मनुष्य पूजा-पाठ, उपासना और धार्मिक अनुष्ठान तो कर रहा है, लेकिन सही मार्गदर्शन और सतगुरु की पहचान न होने के कारण उसे अपेक्षित फल प्राप्त नहीं हो पा रहा है। इसी कारण लोग बीमारी, मानसिक तनाव, पारिवारिक कलह और आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

मौसम | एक सप्ताह से लगातार बढ़ रहा तापमान

अभी और पसीने छुड़ाएगी भीषण गर्मी

जून माह के अंतिम दिनों में गर्मी चरम पर, बिजली के कट करने लगे परेशान

■ उमस भरी गर्मी से वातावरण हुआ चिपचिपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। शनिवार को गर्मी में सूना पड़ा महाराणा प्रताप चौक। फोटो : हरिभूमि

जून माह के अंतिम सप्ताह में गर्मी लोगों के जमकर पसीने छुड़ा रही है। एक सप्ताह से दिन व रात का तापमान भी लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को दिन का तापमान 42 डिग्री के पास पहुंचने के कारण लोगों के दिन भर पसीने छूटते रहे। उमस भरी गर्मी से वातावरण चिपचिपा हो गया है। बढ़ती गर्मी में कूलर व एसी भी बेअसर साबित होने लगे है। वही लोड बढ़ने के कारण दिन व रात में बिजली के कट भी परेशानी बने हुए है। हालांकि शाम के समय बादल छाने के बाद मौसम में कुछ बदलाव नजर आ रहा है, लेकिन गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी सप्ताह में बूंदाबांदी के साथ आसपास के क्षेत्र में बारिश की संभावना जताई जा रही है।

रोजना बदलता मौसम लोगों को परेशान कर रहा है। बारिश न होने से गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। शनिवार को सुबह से मौसम साफ रहने के बाद तेज धूप में गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ाने का काम किया। उमस भरी गर्मी के कारण कूलर भी बेअसर रहा। अधिकतम तापमान 1.0 डिग्री की वृद्धि के साथ 41.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वही न्यूनतम तापमान में भी एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। रात का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हवा में नमी का स्तर ज्यादा रहने के कारण दोपहर बाद तक वातावरण में उमस बनी रही। शाम के समय आसमान में बादल गहराने और कुछ इलाकों में बूंदाबांदी होने से कुछ राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार आगामी सप्ताह में बूंदाबांदी या हल्की बरसात होने की संभावना है। तापमान में अभी उतार-चढ़ाव जारी रहेगा।

पावर हाउसों पर बढ़ रहा लोड

गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की खपत भी लगातार बढ़ने लगी है। बिजली की दैनिक खपत 95 लाख यूनिट के आसपास चल रही है। तापमान में बढ़ोतरी होने से पावर हाउसों पर लोड भी बढ़ रहा है, जिससे दिन व रात बिजली की कट लोगों को ज्यादा परेशान कर रहे है। शुक्रवार रात अनाजमंडी, कंपनी बाग, मॉडल टाउन, नाईवाली व सेक्टर-1 सहित कई इलाकों में बिजली के बार-बार लगे कटों ने काफी परेशान किया। शनिवार सुबह से दोपहर तक लाईट गुल रही। किसानों भी रबी की फसल के लिए बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

छात्र नितिन का एचएसएससी से क्लर्क पद पर चयन

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के योग विभाग के होनहार छात्र नितिन का हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से क्लर्क के पद पर चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर योग विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने नितिन को बधाई दी है। नितिन ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने नियमित रूप से योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। योग के माध्यम से उन्हें मानसिक एकाग्रता, स्मरण शक्ति, आत्मविश्वास, तनाव प्रबंधन तथा निरंतर अध्ययन की क्षमता विकसित करने में अत्यंत सहायता मिली। उन्होंने बताया कि योग विभाग में प्राप्त प्रशिक्षण और योग की वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनी अध्ययन-रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाकर ही वे इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकें। नितिन ने उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता तथा योग विभाग के शिक्षक डा. जयपाल सिंह राजपूत, डा. अमनदीप, डा. धर्मवीर यादव, प्रवीण कुमार और अमित को दिया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

मन-जीवन को कर रहा अशांत
सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

{ कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा }

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

सही नहीं सबका पीछा करना

दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

स्पेशलः वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

{ अचीवमेंट / संजय श्रीवास्तव }

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

गैलेक्सआई ने रचा इतिहासः जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

बहुपयोगी है इसकी तकनीकः गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

कई और कंपनियां भी हैं एक्टिवः गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

हो रहा वैश्विक प्रसारः देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

{ व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा }

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी }

संवेदना-संघर्ष का कथालोक

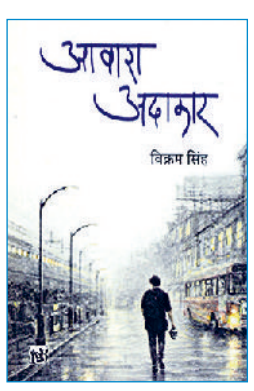

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

पुस्तकः आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखकः** विक्रम सिंह,
मूल्यः 250 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

{ टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी }

बाली-मालदीव जैसे ही अमेजिंग हैं ये भारतीय द्वीप-समुद्र तट

खूबसूरत समुद्र तट और द्वीपों का शानदार नजारा देखने के लिए अनेक टूरिस्ट, बाली या मालदीव का रुख करना पसंद करते हैं। जबकि अपने देश भारत में भी कुछ ऐसे द्वीप और समुद्र तट मौजूद हैं, जो किसी मायने में बाली-मालदीव से कम नहीं हैं। कौन से हैं ये अमेजिंग टूरिस्ट प्लेसेस और क्या हैं इनकी खासियतें, जानकर आप भी इनका दीदार करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

मिनी मालदीव जैसा तर्कारली-मालवण, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के कोंकण तट पर तर्कारली व मालवण को महाराष्ट्र का मिनी मालदीव भी कहा जाता है। दरअसल, यहां का साफ पानी पर्यटकों का मन मोह लेता है। सिंधुदुर्ग जिले में स्थित यह तट सी बीचेज, शांत बैकवाटर्स के लिए जाना जाता है। यहां स्कूबा डाइविंग, स्नोरकेलिंग या पैरासेलिंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स और एक्टिविटीज बहुत कम खर्च में उपलब्ध हैं। तर्कारली में आपको स्थानीय कोंकणी संस्कृति देखने को मिलेगी। सिंधुदुर्ग किले में बोट राइड्स का आनंद लिया जा सकता है। यहां के स्थानीय रेस्तराओं में मालवणी सीफूड थाली का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कुडाल और सिंधुदुर्ग हैं। यह स्थल गोवा एयरपोर्ट से कुछ ही घंटों के फासले पर है। *

शांत समुद्री किनारे वाला स्वराज द्वीप, अंडमान

स्वराज द्वीप (पुराना नाम-हेवलॉक द्वीप) आपको जीवंत ट्रॉपिकल द्वीप का अनुभव प्रदान करता है। यह अंडमान व निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है और अपने शानदार सी बीचेज के लिए विख्यात है। यहां गोताखोरी का आनंद खूब लिया जाता है। यहां जंगलों से भरे समुद्र के किनारे हैं और वातावरण बिल्कुल शांत रहता है। इस द्वीप का मुख्य आकर्षण राधानगर बीच है, जो अपने सफेद रेत के कारण एशिया के सबसे आकर्षक सी बीचेज में गिना जाता है। यहां डूबते हुए सूरज का नजारा देखने लायक होता है। पर्यटक यहां विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं। यहां जाने का सबसे आसान रास्ता यह है कि पोर्ट ब्लेयर के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट से उतरने के बाद स्वराज द्वीप के लिए फेरी ले ली जाए, जो डेढ़ से ढाई घंटे के बीच में आपको द्वीप पर पहुंचा देगी। *

मालदीव का एहसास कराता लक्षद्वीप

भारत में मालदीव से सबसे अधिक मिलती-जुलती जगह लक्षद्वीप है। छोटे-छोटे कोरल द्वीप, नीले रंग के शानदार शेड्स में छोटे-छोटे लगून और भीड़-भाड़ से दूर सफेद रेत के समुद्र तट। ये सब समानताएं एकदम मालदीव में होने का एहसास कराती हैं। अरब सागर में केरलम के तट पर फैला हुआ लक्षद्वीप 36 कोरल द्वीपों से बना हुआ है, हालांकि इनमें से कुछ द्वीप ही पर्यटकों के लिए खुले हुए हैं। अगत्ती, बंगाराम और थिन्नाकारा द्वीपों पर लोग अधिक जाना पसंद करते हैं, विशेषकर वे टूरिस्ट, जो शांत, एकांत में स्टे को प्राथमिकता देते हैं। यहां आप कोरल रीफ पर स्नोरकेलिंग, शांत लगूनों में कयाकिंग, स्कूबा डाइविंग के जरिए फिश के साथ गोता लगाते हुए या समुद्र के किनारे चहलकदमी करने का आनंद ले सकते हैं। लक्षद्वीप पहुंचने के लिए अगत्ती मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है क्योंकि द्वीपों के इस समूह में केवल यहीं पर एकमात्र एयरपोर्ट है। कोच्ची से यहां पहुंचने में लगभग 90 मिनट की हवाई यात्रा करनी होती है। *

पर्यटकों-योगप्रेमियों के लिए जन्नत के जैसा गोकर्ण, कर्नाटक

कर्नाटक में स्थित गोकर्ण, दिलकश तटीय आकर्षण से आध्यात्मिकता का मिलन कराता है। यहां महाबलेश्वर मंदिर साल भर भक्तों को आकर्षित करता है और शांत बीच जैसे ओम, कुड्ले व हाफ मून पर्यटकों और योग प्रेमियों के लिए जन्नत हैं। यहां आप चट्टानों के पास वाकिंग, बीचसाइड कैफे में खाने-पीने के साथ वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं। अरब सागर के किनारे रिलैक्स भी कर सकते हैं। गोकर्ण का ग्रामीण एहसास इसे और अनोखा बना देता है। *

बाली के सर्फ-टाउन जैसा नजारा वर्कला, केरलम

जो पर्यटक बाली की सर्फ-टाउन एनर्जी से आकर्षित होते हैं, उन्हें वर्कला में लगभग वही वातावरण मिलेगा। यह केरलम के दक्षिणी तट पर स्थित है। यह टाउन लाल चट्टानों के इर्द-गिर्द बसा हुआ है, जहां के होमस्टे से अरब सागर का नजारा मिलता है। उत्तरी चट्टान क्षेत्र, समय गुजारने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां स्मूदी कैफे, सफर स्कूल, आयुर्वेदिक मसाज केंद्र और रूफटॉप स्पॉट्स हैं, जहां शाम गुजारते हुए आनंद आ जाता है जो रात तक जारी रहता है। सर्फिंग वर्कला की पहचान बन गई है। यहां आने वाले पर्यटक बाली की तरह ही सप्ताह भर का सर्फ व स्टे पैकेज लेते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए करीबी रेलवे स्टेशन वर्कला सिवगीरी है। *

अनिश्चित परिस्थितियों में ऐसे रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

{ अवेयरनेस / शिखर चंद जैन }

हालांकि ईरान-अमेरिका में अभी युद्ध विराम चल रहा है, लेकिन अभी भी परिस्थितियां अनिश्चित बनी हुई हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आर्थिक परिदृश्य क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए समझदारी इसी में है अपनी आर्थिक योजनाएं समझदारी से बनाई जाएं। आपके लिए उपयोगी सलाह।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्टों और कई अर्थशास्त्रियों के अनुसार, मध्य-पूर्व में हुए युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। अगर आने वाले दिनों में शांति बरकरार रहती है तो भी आर्थिक दशा पहले जैसी होने में कई महीने से लेकर कुछ साल लग सकते हैं। ऐसे में व्यक्तिगत आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

मुद्रास्फीति का प्रभाव: युद्ध और आपूर्ति श्रंखला में रुकावटों के कारण ऊर्जा, खाद्य और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी का रुख है। आमदनी का बड़ा हिस्सा खर्च होने से बचने के लिए बजट में कटौती और गैर-जरूरी खर्चों को रोकना जरूरी है।

इमरजेंसी फंड: आर्थिक मंदी या नौकरी के संकट के समय कम से कम 6 से 12 महीने का मासिक खर्च इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए। इसे आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों या सेविंग एकाउंट में रखना बहुत उपयोगी होता है।

सुरक्षित निवेश: संकट के समय शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव आते हैं। जैसा पिछले तीन महीने तक लगातार चले युद्ध के दौरान हम सबने देश-दुनिया में देखा। ऐसे में वित्तीय सलाहकार गोल्ड या सॉवरेन बॉन्ड जैसे सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्पों को पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

लोन-ईएमआई का प्रबंधन: बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोन की किस्तें बढ़ सकती हैं। इसलिए सबसे पहले महंगे कर्ज (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया) को चुकाना चाहिए ताकि मासिक बोझ कम हो सके। इससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग: वैश्विक तनाव के कारण विदेशों से आयातित सामानों की कीमत और उपलब्धता प्रभावित हो जाती है। साथ ही देश की मुद्रा भी प्रभावित होती है। इसलिए अपने दैनिक जीवन और व्यापार में स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाना सुरक्षित रहता है। इसलिए देश में बनने वाली चीजें ही खरीदें।

आय के नए स्रोत अपनाएं: नौकरी जाने से होने वाले संकट से बचने के लिए स्किल्स को अपग्रेड करते रहें और फ्रीलांसिंग, निवेश या ऑनलाइन माध्यमों से आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने पर ध्यान दें, ताकि आय का एक स्रोत बाधित हो तो दूसरे का सहारा मिले।

महंगी देनदारियों से छुटकारा पाएं: हाई इंट्रेस्ट वाले लोन, जैसे क्रेडिट कार्ड का बकाया या पर्सनल लोन में आपकी मेहनत की कमाई का एक बड़ा भाग खर्च होता है और आपकी बचत कमजोर होती है। ऐसे में आप इन उच्च ब्याज वाले कर्ज का भुगतान जल्द से जल्द करें। इससे जो पैसा आप ब्याज बचाने में लगाते हैं, उसे रिटायरमेंट फंड में निवेश किया जा सकता है।

पर्याप्त बीमा कवर करें: अचानक कोई बीमारी या दुर्घटना होने पर किसी पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ जाता है। इससे राहत के लिए टर्म लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज जरूर लेना चाहिए।

समय के साथ रिटायरमेंट फंड बढ़ाएं: महंगाई दर समय के साथ पैसे के मूल्य को कम करती है। आपकी लाइफस्टाइल और खर्च रिटायरमेंट के समय तक बढ़ जाएंगे। इसलिए अपनी रिटायरमेंट योजना की नियमित रूप से समीक्षा करें (कम से कम सालाना)। जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती है (वेतन वृद्धि, बोनस), अपने मंथली रिटायरमेंट इन्वेस्टमेंट फंड को भी बढ़ाएं।

कहने का सार है कि इस दौर में सही इंवेस्टमेंट, सेविंग्स और बजट से ना केवल आपको फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी, बल्कि फ्यूचर की कई परेशानियों से भी बचा जा सकता है। *

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड एकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

दुनिया की सबसे खूबसूरत नदियां

{ प्रकृति / अंजू जैन }

देश-दुनिया में अनेक ऐसी नदियां हैं, जो अपनी विविध उपयोगिताओं के साथ-साथ अपने अद्भुत सौंदर्य के लिए भी जानी जाती हैं। विश्व की कुछ सबसे खूबसूरत नदियों के बारे में जानिए।

नदियां इस धरती पर मानव सभ्यता के विकास का केंद्र रही हैं। इसके अलावा यातायात का अनूठा मार्ग होने के साथ ही ये किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इसके अलावा कई शहरों में पेय जल की आपूर्ति और सिंचाई के लिए भी नदियों का उपयोग सदियों से होता आ रहा है। इन खूबियों के अलावा देश-दुनिया भर में कई नदियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत पारिस्थितिकी के लिए भी जानी जाती हैं।

कानो क्रिस्टेलस कोलंबिया: कोलंबिया के मेटा प्रांत में सेरानिया-डे ला मैकेरेना नेशनल पार्क में स्थित यह नदी बेहद खूबसूरत और जादुई लगती है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रंग बदलने की क्षमता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कानो क्रिस्टेलस की यात्रा आपको प्रकृति के बिल्कुल करीब ले जाती है और यह ईको-टूरिज्म का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे पांच रंगों की नदी भी कहा जाता है। पानी का रंग बदलने का मुख्य कारण नदी में मौजूद मैक्रेनिया क्लेविगेरा नामक शैवाल हैं। बारिश के मौसम में जब इनको सही धूप और पानी मिलता है, तो ये चमकीले लाल और अन्य रंगों में खिल जाते हैं। इन्हीं के कारण पानी के नीचे लाल, पीला, हरा, नीला और काला रंग दिखाई देता है। इसीलिए कानो क्रिस्टेलस नदी को लिक्विड रेनबो यानी तरल इंद्रधनुष भी कहते हैं। यह अद्भुत नजारा मुख्य रूप से जुलाई से नवंबर के बीच (वर्षा ऋतु के दौरान) दिखाई देता है।

ली नदी, चीन: चीन की 'ली' नदी के आस-पास स्थित नुकीले चूना पत्थर के पहाड़ इसे किसी पारंपरिक चीनी पेंटिंग जैसा दृश्य प्रदान करते हैं। गुइलिन से यांग्शुओ तक बहने वाली यह नदी चूना पत्थर के ऊंचे पहाड़ों के बीच से गुजरती है। यह दृश्य इतना आइकॉनिक है कि इसे चीन के 20 युआन के नोट पर भी दर्शाया गया है। सदियों से इस नदी ने चीनी चित्रकारों और कवियों को प्रेरित किया है।

सोका नदी स्लोवेनिया: यह नदी अपनी शुद्धता और पन्ना जैसे हरे रंग के कारण प्रसिद्ध है। इसे प्यार से 'पन्ना ब्यूटी' कहा जाता है। यह नदी आल्प्स पर्वतमाला से निकलती है और अपनी पूरी लंबाई के दौरान अपना जादुई रंग बरकरार रखती है, जो कि बहुत दुर्लभ है। जुगैलियन आल्प्स से बहने वाली यह नदी अत्यधिक साफ-सुथरी होने के लिए भी जानी जाती है।

फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना/चिली: फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना और चिली के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में स्थित एक बेहद शानदार और प्राकृतिक रूप से समृद्ध नदी है। पेटागोनिया के पहाड़ों से निकलने वाली यह नदी अपने आश्चर्यजनक रूप से साफ, फिरोजी नीले पानी और शानदार राफ्टिंग रूट्स के लिए जानी जाती है। यह अपनी बेमिसाल सुंदरता, उग्र जलधाराओं और विश्व-स्तरीय साहसिक खेलों के केंद्र के रूप में दुनियाभर में मशहूर है। मापुचे भाषा में 'फुटालेउफू' का अर्थ 'बड़ी नदी' होता है। स्थानीय लोग इस घाटी को 'उन पैसजे पिंटाडो पोर डियोस' अर्थात ईश्वर द्वारा चित्रित परिदृश्य कहते हैं। इस नदी का उद्गम, अर्जेंटीना के यूनेस्को संरक्षित लॉस एलेर्सेस राष्ट्रीय उद्यान के हिमनदों की पिघली हुई बर्फ से होता है। यह नदी अर्जेंटीना और चिली देश की सीमा को पार करती है। यह चिली के बेहद खूबसूरत लॉस लागोस क्षेत्र से बहते हुए अंततः प्रशांत महासागर में जाकर गिरती है। फुटालेउफू नदी दुनिया के बेहतरीन व्हाइटवॉटर कयाकिंग और राफ्टिंग स्थलों में से एक है। इसके तीव्र बहाव, क्रिस्टल-क्लियर नीले पानी और विशाल घाटी के बीच राफ्टिंग करने का अनुभव रोमांच प्रेमियों के लिए खास है। *

अत्यंत स्वच्छ-सुंदर नदी उमंगोट

अपने देश के मेघालय की दावकी नदी के नाम से मशहूर उमंगोट नदी दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है। इसका पानी इतना पारदर्शी है कि इसमें चलने वाली नाव हवा में तैरती हुई सी प्रतीत होती है। यह नदी अपनी असाधारण पारदर्शिता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसका पानी इतना साफ है कि नदी तल के पत्थर और मछलियां 8 मीटर की गहराई तक स्पष्ट दिखाई देते हैं। यह नदी भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। स्थानीय समुदायों द्वारा इसकी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

एक्शन-रोमांच से भरपूर 'अल्फा' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा: आलिया भट्ट

आगामी 3 जुलाई को रिलीज होने वाली यशराज बैनर की फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह जबर्दस्त एक्शन करती दिखेंगी। यह फिल्म उन्होंने क्यों एक्सेप्ट की? अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ एक्टिंग करने के कैसे एक्सपीरियंस रहे? इस फिल्म के साथ प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ से जुड़े सवाल आलिया भट्ट से।

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चा में हैं। आलिया अपनी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अनुभव के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ को लेकर खास बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर आप इन दिनों बहुत उत्साहित हैं। इस फिल्म में काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' की शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह किसी फिल्म के सेट पर मेरे सबसे मजेदार और यादगार अनुभवों में से एक रहा। यशराज के स्पाई यूनिवर्स बैनर के एक्शन-रोमांच से भरे इस भव्य प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा। इस फिल्म को करते वक्त मैंने उन चैलेंजेज को फेस किया, जिनका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। मैं इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म के सेट पर जाने के लिए हमेशा उत्साहित रहती थी। मैंने इसका हर मिनट पूरी तरह से एंज्वॉय किया।

'अल्फा' के एक सीन में शरवरी वाघ के साथ आलिया भट्ट

इस फिल्म को साइन करते वक्त फिल्म की कौन-सी बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

वैसे तो इस फिल्म में बहुत सारी बाते हैं, जिसने मुझे फिल्म करने के लिए इंस्पायर किया, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा यह बात पसंद आई कि इस फिल्म के केंद्र में दो महिलाएं हैं, जो पूरी एक्शन स्टोरी को आगे बढ़ा रही हैं। बॉलीवुड फिल्मों में ऐसा हमें बहुत कम देखने को मिलता है। 'अल्फा' एक एटीट्यूड का जश्न है।

इस फिल्म में आप के साथ शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी हैं, इन सभी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' फिल्म में काम करने के अनुभव को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि मुझे इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। चाहे फिल्म के निर्देशक शिव रवैल हों, हमारे को-एक्टर्स शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल हों या एक्शन टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाला पूरा क्रू ही क्यों ना हो, इस फिल्म को लेकर सभी के भीतर जबरदस्त उत्साह था। वो एनर्जी, वो वाइब दर्शकों को पर्दे पर भी दिखाई देगी।

'अल्फा' फिल्म के लिए भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने आप को स्पेशल ट्रेनिंग दी है, इस बारे में कुछ बताएंगी ?

हां, भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए मुझे बहुत अच्छी ट्रेनिंग दी है। मैंने उनसे जिंदगी जीने का असली फलसफा भी सीखा है कि जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए, हमेशा हौसले बुलंद रखने चाहिए।

'अल्फा' के अलावा आप और कौन-कौन सी फिल्में कर रही हैं ?

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' कर रही हूं। इसके अलावा 'चामुंडा', 'जी ले जरा' जैसी कुछ फिल्में लाइनअप हैं।

आपके पसंदीदा डायरेक्टर्स कौन हैं, जिनके साथ आप काम करने की इच्छा रखती हैं ?

मैं राजकुमार हिरानी, अयान मुखर्जी और जोया अख्तर के साथ फिल्म करने की इच्छा रखती हूं। ये सभी मेरे पसंदीदा डायरेक्टर्स हैं।

आपके कोई तीन सीक्रेट्स या कमजोरी, जो आप अपने फैंस के साथ शेयर करना चाहेंगी ?

(हंसते हुए) मुझे अंधेरे से डर लगता है, मुझे जोर से डकार लेने की आदत है और मैं इमोशनल सॉन्ग्स सुनकर कई बार रो पड़ती हूं। इन्हें आप मेरी वीकनेस मान सकती हैं। *

सब मैनेज करना पड़ता है

आलिया सक्सेसफुल एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक अच्छी वाइफ और मां भी हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाना, उनके लिए कितना आसान या मुश्किल होता है? यह पूछे जाने पर आलिया कहती हैं, 'आसान तो कुछ भी नहीं होता, सब मैनेज करना पड़ता है। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि अगर आपको घर वालों का सपोर्ट मिले तो कई सारी मुश्किलें आसान हो जाती हैं। मुझे अपनी फैमिली का प्यार और सपोर्ट किसी न किसी रूप में मिलता रहता है। फिर चाहे मेरे पति रणबीर हों, बेटी राहा हो या सास नीतू सिंह क्यों ना हों। सासू मां और राहा तो मेरी जान हैं। स्पेशली सासू मां से मैंने सीखा कि जिंदगी में चाहे कितने ही उतार-चढ़ाव आ जाएं, हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा पॉजिटिव सोच रखनी चाहिए। राहा से मैंने हमेशा खुश रहना सीखा है। जहां तक मेरे पति रणबीर की बात है तो वह मेरी जिंदगी का वो खूबसूरत एहसास हैं, जिनकी मैं शुरू से फैन थी। जहां वो पर्सनल लाइफ में शांत पति हैं, वहीं एक जिम्मेदार पिता भी हैं। हमारी बेटी राहा में तो उनकी जैसे जान ही बसती है।